पावस सत्र समापन अवसर

माननीय विधान सभा अध्यक्ष महोदय का उद्बोधन

बुधवार, 27 जुलाई, 2022

पंचम विधानसभा का यह चौदहवां सत्र जो कि पावस सत्र है, उसका अंतिम कार्यदिवस है, यह सत्र 20 जुलाई से 27 जुलाई 2022 तक आहूत रहा, इस 8 दिवसीय सत्र में कुल 6 बैठकें सम्पन्न हुई, आज सत्र समापन के अवसर पर मैं सर्वप्रथम सत्र के सुव्यवस्थित संचालन में सहयोग के लिए सदन के नेता माननीय मुख्यमंत्री जी, माननीय नेता प्रतिपक्ष जी, माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी एवं आप सभी माननीय सदस्यों को हृदय से धन्यवाद देता हूँ।

इस सत्र आरंभ होने के पूर्व राष्ट्रपति निर्वाचन 2022 का महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हुआ। माननीया श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी देश की 15 वें राष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित हुई, मैं अपनी ओर से और सदन की ओर से उन्हें सादर बधाई देता हूँ एवं अपेक्षा करता हूँ कि उनका आशीष और स्नेह हमारे छत्तीसगढ़ राज्य को विशेष तौर पर प्राप्त होगा।

यह हमारे लिए उपलब्धि है कि इस पावस सत्र में छत्तीसगढ़ राज्य के विकास से जुड़े प्रत्येक विषयों पर आप माननीय सदस्यगणों ने सार्थक परिणाममूलक चर्चा की है। संसदीय लोकतंत्र में सबसे बड़ी अपेक्षा यह होती है कि पक्ष प्रतिपक्ष लोकहित के मुद्दे पर एकमत हों, छत्तीसगढ़ विधानसभा के लिए यह गौरव का विषय है कि यह पवित्र सदन राज्य के विकास और सुखमय भविष्य के लिए वचनबद्ध है। इसका एक अच्छा उदाहरण है कि इस पावस सत्र में दो महत्वपूर्ण अशासकीय संकल्पों को आप पक्ष प्रतिपक्ष के सदस्यगणों ने सर्वमतेन पारित किया। छत्तीसगढ़ विधान सभा की उच्च संसदीय परम्पराओं का यह भी एक उत्कृष्ट उदाहरण है । मैं समझता हूँ कि आपके इन प्रयासों से विधायिका का सम्मान बढ़ा है। संसदीय लोकतंत्र को मजबूती देने में आपकी सहभागिता प्रशंसनीय है।

छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान राज्य है यहां की संपूर्ण व्यवस्था कृषि पर आधारित है और जब यहां का किसान संपन्न और प्रसन्न होगा तब राज्य के विकास की परिभाषा पूर्ण होगी। सदन के नेता माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी और उनकी सरकार को किसानों के विषय में लिये गये निर्णय के लिये बधाई देता हूं वहीं माननीय नेता प्रतिपक्ष माननीय श्री धरमलाल

कौशिक जी, मुख्य प्रतिपक्ष के सभी सदस्यगण जनता कांग्रेस के दल नेता माननीय श्री धर्मजीत सिंह जी, बहुजन समाज पार्टी के माननीय श्री केशव चन्द्रा जी एवं उनके दलों के अन्य सदस्यों को इस बात के लिये धन्यवाद देता हूं कि आप सभी ने राज्य के किसान भाईयों के हितों के संरक्षण के लिये बहुत ही संजीदगी और गंभीरता से अपनी बात को रखा है।

अब मैं आपको इस पावस सत्र में सम्पादित हुए संसदीय कार्यों के संक्षेप में सांख्यिकीय आंकड़ों से अवगत कराना चाहूँगा। इस पावस सत्र की कुल 6 बैठकों में लगभग 37 घंटे 10 मिनट चर्चा हुई, इन 6 बैठकों में 51 प्रश्न सभा में पूछे गए जिनके उत्तर शासन द्वारा दिए गए। इस प्रकार प्रतिदिन प्रश्नों का औसत लगभग 8.5 प्रश्नों का रहा। इस सत्र में तारांकित प्रश्नों की 459 एवं अतारांकित प्रश्नों की 435 सूचना प्राप्त हुई। इस प्रकार कुल 894 प्रश्नों की सूचनाएँ प्राप्त हुईं। इस सत्र में ध्यानाकर्षण की कुल 252 सूचनाएं प्राप्त हुई, जिसमें से 76 सूचनाएं ग्राह्य तथा 155 अग्राह्य हुई एवं 21 सूचनाएं शून्यकाल में परिवर्तित हुईं । ग्राह्य ध्यानाकर्षण की सूचनाओं में से 9 विषय से संबंधित सूचनाओं पर सदन में चर्चा हुई तथा 1 ध्यानाकर्षण की सूचना व्यपगत हुई । इस सत्र में स्थगन की कुल 89 सूचनाएं प्राप्त हुई, जिसमें से 75 सूचनाएं अग्राह्य हुई तथा एक विषय से संबंधित 14 स्थगन की सूचनाओं की ग्राह्यता पर सदन में चर्चा हुई। इस सत्र में नियम-139 के अंतर्गत1 सूचना प्राप्त हुई जो अग्राह्य हुई । शून्यकाल की 49 सूचनाएँ प्राप्त हुईं जिसमें 28 सूचनाएं ग्राह्य और 21 सूचनाएं अग्राह्य रही। वर्तमान सत्र में 89 याचिकायें माननीय सदस्यों द्वारा प्रस्तुत की गई, जिनमें 38 ग्राह्य व 43 अग्राह्य रही। इस सत्र में अशासकीय संकल्प की 11 सूचनाएं प्राप्त हुई जिनमें से 6 ग्राह्य एवं 5 अग्राह्य हुए और 2 अशासकीय संकल्प चर्चा उपरांत स्वीकृत हुए । इस सत्र में एक शासकीय संकल्प की सूचना प्राप्त हुई एवं चर्चा उपरांत स्वीकृत हुआ। इस सत्र में विनियोग विधेयक सहित 13 विधेयकों की सूचनाएं प्राप्त हुई और सभी विधेयक चर्चा उपरांत पारित हुए।

वित्तीय कार्यों के अन्तर्गत प्रथम अनुपूरक अनुमान पर 4 घंटे 48 मिनट चर्चा हुई । पंचम विधानसभा के इस पावस सत्र में प्रतिपक्ष द्वारा अविश्वास प्रस्ताव लाया गया, जिस पर लगभग 12 घंटे 32 मिनट चर्चा हुई, अविश्वास प्रस्ताव अस्वीकृत हुआ।

मैं इस अवसर पर सभापति तालिका के माननीय सदस्यों के प्रति भी धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ, जिन्होंने सभा की कार्यवाही के संचालन में मुझे सहयोग दिया। मैं सम्माननीय पत्रकार

साथियों एवं प्रिन्ट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने सदन की कार्यवाही को बड़ी गंभीरता से प्रचार माध्यमों में प्रमुखता से स्थान देकर प्रदेश की जनता को सभा में सम्पादित कार्यवाही से अवगत कराया।

इस पावस सत्र समापन के अवसर पर राज्य शासन के मुख्य सचिव सहित समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देता हूं, सुरक्षा व्यवस्था में संलग्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी बधाई देता हूं जिन्होंने सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था इस पावस सत्र के दौरान कायम रखी। मैं विधान सभा के सचिव श्री दिनेश शर्मा सहित सचिवालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भी प्रशंसा करता हूं । श्री दिनेश शर्मा का यह पहला सत्र है और उन्होंने कार्यमंत्रणा समिति में हम सब से आशीर्वाद मांगा था कि यह उनका प्रशिक्षण काल होगा। आप सबने उन्हें सहयोग प्रदान किया इसके लिये मैं आप सबको धन्यवाद देता हूं ।

देश अपनी आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। आगामी स्वतंत्रता दिवस हम सबके लिए विशेष महत्व रखता है। मैं आप सभी को स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव की बधाई देता हूँ। सत्र समापन अवसर पर आगामी सत्र की तिथियों की घोषणा की परंपरा रही है तत्संबंध में यह अनुमान है कि पंचम विधानसभा का पंद्रहवां सत्र दिसंबर माह के द्वितीय, तृतीय सप्ताह में आहूत होने की संभावना है। आप सबको हरेली त्यौहार की बधाई देता हूं ।

आईये हम सब मिलकर अपने छत्तीसगढ़ राज्य को समग्र उन्नति के शीर्ष पर पहुंचाने का पुनीत संकल्प लें।

धन्यवाद !

जय हिन्द, जय छत्तीसगढ़ !